राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ

चर्चा में क्यों?

[भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD)](#) ने पूर्वानुमान लगाया है कि **21 जनवरी, 2025 को राजस्थान में एक [पश्चिमी विक्षोभ](#)** सक्रिय हो जाएगा।

मुख्य बिंदु

- इस मौसम प्रणाली से राज्य के **उत्तर-पश्चिमी** और **उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों** में हल्की वर्षा होने की आशा है।
  - परिणामस्वरूप, IMD ने इन क्षेत्रों के लिये चेतावनी जारी की है।
- **पश्चिमी विक्षोभ:**
  - IMD के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ वे तूफान हैं जो **कैस्पियन या भूमध्य सागर में उत्पन्न होते हैं और उत्तर-पश्चिम भारत में गैर-मानसूनी वर्षा लाते हैं।**
  - इन्हें भूमध्य सागर में उत्पन्न होने वाला एक [अतिरिक्त उष्णकटिबंधीय तूफान](#) माना जाता है, यह कम दबाव का क्षेत्र है जो उत्तर-पश्चिम भारत में अचानक वर्षा, बर्फबारी और कोहरा लाता है।
  - **WD का अर्थ इसके नाम में निहित है।**
    - यह विक्षोभ "पश्चिमी" से पूर्वी दिशा की ओर बढ़ता है।
      - ये उच्च ऊँचाई वाली [पश्चिमी जेट धाराओं](#) पर पूर्व की ओर यात्रा करते हैं - तेज हवाओं के विशाल रिबन जो पश्चिम से पूर्व की ओर पृथ्वी को पार करते हैं।
    - **विक्षोभ का अर्थ है "विक्षुब्ध" या कम वायुदाब का क्षेत्र।**
      - प्रकृति में संतुलन विद्यमान रहता है जिसके कारण किसी क्षेत्र की वायु अपना दबाव सामान्य करने का प्रयास करती है।

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/western-disturbance-in-rajasthan